ट्विशा शर्मा के 80 किलो वजन के पुतले के साथ सीन री - क्रिएशन

▶ गिरिबाला और समर्थ को लेकर पहुंची सीबीआई

04 दिन से हो रही है आरोपियों से पूछताछ

03 दिन तक भोपाल में ही रूका था समर्थ सिंह

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 01 जून. सीबीआई की टीम सोमवार को ट्विशा शर्मा मौत के मामले में कटारा हिल्स स्थित पूर्व जज गिरिबाला सिंह के आवास पर पहुंची. घटना की जांच करते हुए सीबीआई ने ट्विशा के बनवाए गए पुतले को लेकर सीन री- क्रिएशन किया. इस दौरान आरोपी गिरिबाला सिंह और उनके बेटे समर्थ सिंह भी मौजूद रहे.

जानकारी के मुताबिक आरोपियों की मौजूदगी में ही अधिकारियों ने करीब 80 किलो वजन की बने पुतले को फंदे पर लटका और उतार कर सीन री- क्रिएशन किया और उस समय की स्थिति को जानने की कोशिश भी की. सीबीआई के अधिकारियों ने इस दौरान घटना के समय मौजूद घर के सामानों को उसी तरह से रखवाए भी. सीबीआई ने यह सीन री- क्रिएशन तब किया, जब आरोपियों से करीब 4 दिन की पूछताछ हुई और उनके तब के बयान और बाद के बयान को स्पष्ट किया जा सके. दोनों ही आरोपियों के बयान घटना के दिन और घटना के बाद से कितना मेल खाते हैं. इसका भी अधिकारियों की तरफ से क्रास चेक किया गया. बताया गया है कि समर्थ ने घटना के दौरान बताया था कि उसने ही ट्विशा को फंदे से उतारा था, जबकि मां गिरिबाला ने फंदे की गांठ खोली थी. पूरे मामले की गहनता से सीबीआई जांच जारी है. खबर सामने आई है कि सीबीआई के अधिकारियों ने ट्विशा का पुतला तैयार करने का निर्णय तब लिया, जब दोनों ही आरोपियों से घटना के दौरान की गई पूछताछ और बाद में की गई पूछताछ में कुछ संदेह हुआ. इसके साथ ही घटना स्थल पर देखे गए फंदे की ऊंचाई और ट्विशा का उस ऊंचाई तक पहुंच पाना कितना कठिन या आसान था.

आज कोर्ट में पेश हो सकते हैं आरोपी

ट्विशा की मौत के मामले में आरोपी रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह और उनके बेटे समर्थ सिंह को सीबीआई मंगलवार को दोपहर बाद कोर्ट में पेश कर सकती है. दोनों ही आरोपियों की रिमांड 2 जून को पूरी हो रही है. गिरिबाला सिंह की गिरफ्तारी के बाद सीबीआई ने दोनों को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर मांगा था. कोर्ट ने दोनों ही आरोपियों को 5 दिन के रिमांड पर भेजा था. कोर्ट में आरोपियों की रिमांड बढाने के लिए सीबीआई के अधिकारी मांग कर सकते हैं.

डॉक्टर से भी पूछताछ

मामले में ट्विशा का गर्भपात कराने वाले डॉक्टर को भी इस पूरे मामले में खास तौर पर देखा जा रहा है. आरोप है कि ट्विशा ने गर्भधारण के बाद जिस डाक्टर के पास चेकअप कराया था. उस डाक्टर ने गर्भपात कराने की सलाह दी थी. सीबीआई के अधिकारियों ने संबंधित डॉक्टर को भी पूछताछ के लिए तलब किया है.

बोरदेही स्टेशन पर युवक की हत्या

आरपीएफ-जीआरपी कहाँ थी ट्रेन से उतारकर युवक को मौत के घाट उतारा

आमला, 01 मई. आमला बोरदेही रेलवे स्टेशन पर हुई एक दर्दनाक घटना ने रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है.प्राप्त जानकारी के अनुसार छिंदवाड़ा निवासी 22 वर्षीय अली खान पेंचवेली एक्सप्रेस से भोपाल की ओर यात्रा कर रहा था.यात्रा के दौरान सीट पर बैठने को लेकर उसका बोरदेही क्षेत्र के एक युवक से विवाद हो गया.

मामूली कहासुनी इतनी बढ़ गई कि आरोपी युवक ने अपने साथियों को फोन कर बोरदेही स्टेशन पर बुला लिया।बताया जाता है कि जैसे ही ट्रेन बोरदेही स्टेशन पहुंची, पहले से मौजूद 12 से 15 युवक ट्रेन में चढ़ गए और अली खान को जबरन नीचे खींच लिया.इसके बाद स्टेशन परिसर में लाठी-डंडों और लात-घूंसों से उसकी बेरहमी से पिटाई की गई.प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवक रहम की भीख मांगता रहा, लेकिन हमलावरों ने तब तक हमला जारी रखा जब तक वह गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर नहीं गिर पड़ा।अली खान के

साथ यात्रा कर रहे उसके तीन साथी भी हमलावरों के निशाने पर थे.जान बचाने के लिए वे ट्रेन की दूसरी बोगियों में छिप गए.बताया जाता है कि आरोपी उन्हें भी तलाशते रहे.यदि वे हमलावरों के हाथ लग जाते तो जनहानि और भी बड़ी हो सकती थी रेलवे सुरक्षा पर सबसे बड़ा सवाल यह घटना केवल एक हत्या नहीं, बल्कि रेलवे सुरक्षा व्यवस्था की भयावह विफलता का उदाहरण है.

> यह घटना रेलवे प्रशासन, आरपीएफ और जीआरपी की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े करती है।अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर अली खान की मौत का जिम्मेदार कौन है.केवल आरोपी युवक या फिर वह व्यवस्था भी जो यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रही.यदि रेलवे में पर्याप्त सुरक्षा बल, नियमित गश्त और संवेदनशील स्टेशनों पर निगरानी की प्रभावी व्यवस्था होती तो शायद आज एक परिवार का जवान बेटा जिंदा होता.

तमाशबीन बनी व्यवस्था, बुझ गया एक घर का चिराग

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हमलावर लंबे समय तक युवक को पीटते रहे, लेकिन डर के माहौल में कोई भी उसे बचाने की हिम्मत नहीं जुटा पाया.यह स्थिति बताती है कि कानून का भय समाप्त होता जा रहा है और अपराधी खुलेआम भीड़ के बल पर कानून को चुनौती दे रहे हैं।एक ओर सरकार रेलवे को आधुनिक और सुरक्षित बनाने के दावे करती है, वहीं दूसरी ओर एक युवक को सरेआम मौत के घाट उतार दिया जाता है.

एक नजर में

डिप्टी सीएम देवड़ा ने कार्यकर्ताओं से किया संवाद

भोपाल. मध्यप्रदेश शासन के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा एवं मंत्री गौतम टेटवाल ने सोमवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश भर से आए पार्टी कार्यकर्ताओं से संवाद किया. मध्यप्रदेश शासन के उपमुख्यमंत्री एवं मंत्री गौतम टेटवाल ने प्रदेश भर से आए पार्टी कार्यकर्ताओं एवं आमजनों से संवाद कर उनकी जनसमस्याओं का त्वरित समाधान किया. जिन समस्याओं का तत्काल समाधान नहीं किया जा सका, उन्हें संबंधित विभागों को निराकरण के लिए भेजा गया है. उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए उनकी कठिनाइयों को समझा और उन्हें जल्द से जल्द समाधान दिलाने का आश्वासन दिया.

एसडीएम के निर्देश पर अतिक्रमण मुक्त कराई गई भूमि

सीधी, 01 जून. शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर बाउंड्री बाल खड़ी करने वाले किसान के खिलाफ अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई है. उल्लेखनीय है कि चुरहट तहसील अंतर्गत ग्राम सलैया में आराजी नंबर 68 मध्यप्रदेश शासन की भूमि का प्रकरण दायर किया गया जिसमें भूपेंद्र तिवारी आराजी नंबर 68 के अंश भाग 0.019 हेक्टेयर पर बाड़ी लगाकर एवं 0.010 हेक्टेयर पर रमाकांत मिश्रा द्वारा बाउंड्री बनाकर अतिक्रमण किया गया था. जिस पर प्रकरण क्रमांक 0011/ बी -121/2023-24 आदेश दिनांक 16/2/2024 को बेदखली आदेश पारित किया गया था. अनावेदकों द्वारा उक्त आदेश की अनुविभागीय अधिकारी चुरहट के न्यायालय में अपील क्रमांक 0304/अपील/2024-25 आदेश दिनांक 17/04/2025 किया गया था.

निवेश का झांसा देकर ठगे साढ़े तीन लाख

धार. जिले के नौगांव थाना क्षेत्र में टेलीग्राम लिंक के माध्यम से निवेश पर अधिक लाभ का लालच देकर एक युवक से लगभग साढ़े तीन लाख रुपये की साइबर ठगी का मामला सामने आया है. पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. ग्राम उटावद निवासी चिंटू नायक से 23 मई की रात अज्ञात व्यक्ति ने टेलीग्राम के माध्यम से संपर्क किया. आरोपी ने घर बैठे निवेश कर अधिक लाभ कमाने का झांसा दिया और एक लिंक भेजकर कथित लाभ खाता एवं पासवर्ड बनवाया. आरोपी ने युवक से अलग-अलग किस्तों में कुल 3 लाख 45 हजार 839 रुपये जमा करवा लिए. प्रारंभ में खाते में लाभ दर्शाए जाने से युवक को विश्वास हो गया, लेकिन जब उसने राशि निकालने का प्रयास किया तो रकम नहीं निकली.ठगी का अहसास होने पर पीड़ित ने साइबर शाखा में शिकायत दर्ज कराई.

लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ करें कार्रवाई

महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक में सीएम ने दिए निर्देश

दूसरे राज्यों के नवाचारों को अपनाने कार्ययोजना बनाएं

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 1 जून. प्रदेश में महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं और कार्यक्रमों को लेकर किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी. ऐसे मामलों में संबंधितों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को मंत्रालय में विभाग की समीक्षा की.

इस दौरान उन्होंने साफ किया कि मैदानी स्तर पर बेहतर कार्य करने वालों को एकतरफ

प्रोत्साहित करें तो वहीं लापरवाही बरतने वालों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई भी करें.

बैठक में सीएम ने कहा कि विभाग की योजनाओं के क्रियान्वयन में अधिक से अधिक जन भागीदारी और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए. महिलाओं और बच्चों के कल्याण से संबंधित योजनाओं का अधिक से अधिक प्रचार हो. बच्चों और महिलाओं में पोषण स्तर को बेहतर करने के लिए संचालित गतिविधियों में स्वास्थ्य, स्कूल शिक्षा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास सहित निजी अस्पतालों और संस्थाओं को भी जोड़ा जाए. इस दिशा में अन्य राज्यों और प्रदेश के जिलों में हो रहे सफल नवाचारों को अपनाने के लिए भी कार्ययोजना बनाई जाए. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिन औद्योगिक इकाइयों में महिला कर्मियों की संख्या अधिक है, उन इकाइयों में कामकाजी महिलाओं के लिए पीपीपी मोड पर हॉस्टल निर्माण की कार्ययोजना बनाई जाए. बैठक में बताया गया कि देवास, नर्मदापुरम, झाबुआ और सिंगरौली में वर्किंग वुमेन हॉस्टल का निर्माण प्रारंभ हो गया है. प्रताड़ित महिलाओं को सहायता उपलब्ध कराने के लिए पांढुर्णा, मऊगंज, मैहर, पेटलावद-झाबुआ, इंदौर के लसूड़िया और सांवेर एवं धार के मनावर और पीथमपुर में वन स्टॉप सेन्टर स्वीकृत किए गए हैं. चाइल्ड हेल्पलाइन अंतर्गत 51 जिला स्तरीय और एक राज्य स्तरीय हेल्प सेंटर के माध्यम से 66 हजार से अधिक बच्चों को सहायता उपलब्ध कराई गई. जोखिम ग्रस्त बच्चों की मैपिंग के लिए 13 जिलों में प्रक्रिया जारी है.

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता बीमा योजना के दायरे में

बैठक में बताया गया कि प्रदेश में 5 से 6 आयु वर्ग के 9 लाख 28 हजार बच्चों के लिए विद्यारंभ आयोजित कर उन्हें विद्यारंभ प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराया गया और बच्चों का शाला में सुगम प्रवेश सुनिश्चित किया गया. वहीं सक्षम आंगनवाड़ी उन्नयन के के तहत प्रदेश में एक साथ 12 हजार 670 मिनी केंद्रों को मुख्य आंगनवाड़ी के रूप में उन्नत कर मप्र देश में अग्रणी बना है. बैठक में बताया गया कि प्रदेश की सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका को बीमा योजना से लाभान्वित किया गया है.

सिंहस्थ की तैयारियां तेज

भोपाल. सिंहस्थ-2028 के सफल, सुरक्षित और सुव्यवस्थित आयोजन को सुनिश्चित करने के लिए मध्यप्रदेश पुलिस ने राज्यव्यापी प्रशिक्षण अभियान शुरू कर दिया है. करोड़ों श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए पुलिस मुख्यालय ने सभी जिलों और इकाइयों में पदस्थ पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किया है. उप पुलिस महानिरीक्षक (कानून-व्यवस्था) तरुण नायक ने बताया कि पुलिस लाइन उज्जैन में 22 अप्रैल से 15 मई 2026 तक आयोजित ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनस कार्यक्रम में चयनित अधिकारियों और कर्मचारियों को मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित किया गया था. अब यही प्रशिक्षित अधिकारी अपने-अपने जिलों में पुलिस बल को प्रशिक्षण प्रदान करेंगे. पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी प्रशिक्षण कैलेंडर के अनुसार जून से दिसंबर 2026 तक 20 बैचों में प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जाएगा.

5 गुर्गों को रिमांड पर लेकर भोपाल ले आई

▶ लॉरेंस गैंग के नाम पर धमकी का मामला

▶ कारोबारियों को धमकाने के केस में पूछताछ तेज

नव भारत न्यूज

इंदौर, 1 जून. लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर बिल्डरों और नामी लोगों को धमकी देने के मामले में एसटीएफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को जेल से रिमांड पर लेकर भोपाल ले गई है. आरोपियों से अब प्रदेशभर में हुई वारदातों को लेकर पूछताछ की जाएगी.

मामले में प्रदेश के आधा दर्जन से अधिक बिल्डर और कारोबारियों को धमकी मिलने के बाद डीजीपी ने जांच एसआईटी को सौंप दी थी. इंदौर के बिल्डर विवेक दम्मानी और संजय जैन को मिली धमकी के मामलों की जांच क्राइम ब्रांच कर रही थी. क्राइम ब्रांच ने कार्रवाई करते हुए राजपाल चंद्रावत, सचिन शर्मा, कुलदीप, नाना और योगेश भाटी को गिरफ्तार किया था. इनमें कुछ आरोपियों को पहले ही जेल से रिमांड पर लिया गया था, जबकि कुछ को हाल ही में पकड़ा. एक अन्य आरोपी राहुल उर्फ बाबा फिलहाल क्राइम ब्रांच की रिमांड पर है. बताया जा रहा है कि एसटीएफ की टीम ने इन सभी आरोपियों को अलग अलग जेलों से रिमांड पर लेकर भोपाल रवाना किया है. वहां उनसे प्रदेश में हुई अन्य धमकी और फायरिंग की घटनाओं को लेकर पूछताछ की जाएगी. ज्ञात हो कि कसरावद में कॉटन व्यापारी के घर फायरिंग मामले में भी इन्हीं आरोपियों के तार जुड़े हैं, जहां सबसे ज्यादा गिरफ्तारी हुई थी.

अहम खुलासों की उम्मीद : डीसीपी

मामले में डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश त्रिपाठी का कहना है कि इंदौर क्राइम ब्रांच अब तक इस पूरे नेटवर्क से जुड़े 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है. वहीं हाल ही में एक आरोपी राहुल उर्फ बाबा की कार देवास से जब्त की गई थी. गिरफ्तार आरोपियों के तार प्रदेश के अन्य जिलों में हुई घटनाओं से भी जुड़े होने की संभावना है, पूरे नेटवर्क को चिन्हित कर कार्रवाई की जा रही है और पूछताछ में अहम खुलासे होने की उम्मीद है.

तीन जिलों के नोडल अधिकारी बदले

भोपाल, 1 जून. प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना में प्रदेश के चयनित तीन जिलों के लिए राज्य सरकार ने जिला नोडल अधिकारी बदल दिए हैं. ये योजना केंद्र और राज्य सरकार के लिए कितना महत्वपूर्ण है यह इस बात से पता चलता है कि पहले भी इन जिलों के लिए आईएएस अफसरों को ही नोडल अधिकारी बनाया गया था, इस बार भी आईएएस अफसरों को ही जिम्मेदारी दी गई है. सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश में जिला उमरिया में अजय गुप्ता के स्थान पर संचालक, किसान कल्याण तथा कृषि विकास उमाशंकर भार्गव, अलीराजपुर में सुश्री निधी निवेदिता के स्थान पर उपसचिव, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग दिलीप कुमार कापसे एवं अनूपपूर में राहुल धोटे के स्थान पर उपसचिव, किसान कल्याण तथा कृषि विकास रोहित सिसोनिया को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है.

लापरवाह स्वास्थ्य कर्मियों पर गिरी गाज

सिंगरौली. शासकीय कार्यों में लापरवाही, अनुशासनहीनता और बिना सूचना ड्यूटी से नदारद रहने वाले कर्मचारियों के खिलाफ जिला प्रशासन बेहद सख्त रुख अपना रहा है. इसी कड़ी में विकासखंड चितरंगी के अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कर्थुआ में पदस्थ फार्मासिस्ट अनुराग द्विवेदी को बिना स्वीकृत अवकाश के ड्यूटी से गायब रहने पर एक दिन का वेतन काटने की दंडात्मक कार्रवाई की गई है, वहीं इसी केंद्र की नर्सिंग ऑफिसर अंजली गुप्ता को निर्धारित ड्रेस कोड का उल्लंघन करने पर कारण बताओ नोटिस जारी गया है. इसके अलावा केंद्र की ही अन्य नर्सिंग ऑफिसर प्रमिला सिंह और एएनएम उपस्वास्थ्य केंद्र घोघरा अनुभा मिश्रा को भी बिना सूचना के अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने और समय पर कार्यस्थल पर न मिलने के चलते कारण बताओ नोटिस जारी कर एक-एक दिन का वेतन काटने की कार्रवाई की गई है. यह पूरी कार्रवाई कलेक्टर गौरव बैनल द्वारा गत 13 मई को आयोजित समीक्षा बैठक में दिए गए कड़े निर्देशों के परिपालन में की गई है.

आंधी-तूफान से शहर तहस नहस

250 से ज्यादा पेड़ उखड़े, कई जगह तार टूटे, घंटों तक बिजली बंद

नव भारत न्यूज

इंदौर, 1 जून .आज शाम करीब 4 से 4.30 बजे के बीच 90 किलोमीटर की रफ्तार से चले आंधी तूफान के कारण शहर तहस नहस हो गया.15 मिनट चले आंधी तूफान के दौरान हल्की बारिश भी हुई, लेकिन तूफान से स्थिति यह हो गई कि शहर में करीब ढाई सौ से ज्यादा पेड़ उखड़ गए.इस वजह से शहर के अधिकांश इलाकों में बिजली कई घंटों तक बंद रही.

जैसा कि मौसम विभाग का पूर्वानुमान था कि नोतपा के आखरी दिनों में मानसून पूर्व की बारिश और आंधी तूफान आ सकता है , वैसा ही आज शहर में हुआ भी.आज शाम शहर में 4 से 4.30 के बीच जमकर आंधी तूफान आया.करीब 50 से लेकर 93 किलोमीटर रफ्तार से चली हवाओं ने शहर को तहस नहस कर दिया.इस दौरान पूरे शहर में जमकर चले आंधी तूफान की हवाओं से जो जहां था वहीं रुक गया. शहर के अधिकांश इलाकों में वाहन चालको की स्थिति खराब हो गई और वे सड़कों पर एक तरफ सुरक्षित खड़े नजर आए.

बताया जा रहा है कि शहर में करीब 250 ज्यादा पेड़ उखड़ गए.पेड़ गिरने से कई सड़कों पर

कहां क्या हुआ ...

1 बजाज खाना बिजली ग्रिड पर नीम का पेड़ गिरा
2 विजय नगर में यातायात सिग्नल उखड़ा
3 महालक्ष्मी नगर में बिजली केबल तारों पर पाम का पेड़ अटका
4 एलआईजी गुरुद्वारे के पास पेड़ गिरा
5 विजय नगर में सर्विस रोड पर पेड़ गिरा
6 खातीपुरा में 11 केवी लाइन पेड़ गिरने से टूटी

यातायात जाम हो गया.सबसे ज्यादा शहर के बंगाली चौराहा, खातीपुरा, खजराना, विजय नगर में आंधी तूफान का असर ज्यादा था.वैसे शहर के सभी क्षेत्रों में तेज हवा चलने और हल्की बारिश होने की पुष्टि हुई है. बिजली करीब तीन घंटे तक रही गुल-शहर में अभी मौसम की बारिश शुरू नहीं हुई है और बिजली विभाग के बारिश पूर्व संधारण की पोल खुल गई.शहर के अधिकांश इलाकों में तीन घंटे तक बिजली सप्लाई बंद रही .हालांकि जानकारी मिली है कि आंधी तूफान से खातीपुरा में 11 केवी लाइन पर पेड़ गिरने से बिजली सप्लाई बंद हो गई.शहर में चारों तरफ बिजली बंद रही , करीब 4.15 बजे बंद हुई बिजली सप्लाई करीब तीन घंटे बाद 7.30 बजे तक बहाल हुई.

पहल | केंद्रीय कृषि मंत्री ने शुरू किया राष्ट्रव्यापी 'खेत बचाओ अभियान

मिट्टी बचेगी तो खेती बचेगी : मंत्री शिवराज

रायसेन, 1 जून. केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रायसेन जिले के ग्राम रमासिया से राष्ट्रव्यापी 'खेत बचाओ अभियान' का शुभारंभ करते हुए किसानों को संदेश दिया कि मिट्टी बचेगी तो खेती बचेगी, किसान मजबूत होगा और देश समृद्ध बनेगा.

उन्होंने संतुलित उर्वरक उपयोग, मिट्टी परीक्षण, सॉयल हेल्थ कार्ड, प्राकृतिक खेती, जल संरक्षण और वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने का आह्वान किया.कार्यक्रम में सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत मीणा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा, एसपी आशुतोष गुप्ता, जिला पंचायत सीईओ कमल सोलंकी सहित वरिष्ठ कृषि अधिकारी और कृषि वैज्ञानिक एवं राकेश शर्मा उपस्थित रहे.

देशभर में 01 जून से 30 जून तक चलने वाले इस अभियान के शुभारंभ पर केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि धरती हमारी माता है और इसकी सेहत बचाना हम सबकी जिम्मेदारी है.उन्होंने किसानों से अपील की कि वे अंधाधुंध रासायनिक खाद और कीटनाशकों का उपयोग न करें, बल्कि मिट्टी की जांच के आधार पर जरूरत के अनुसार ही उर्वरकों का प्रयोग करें.उन्होंने कहा कि ज्यादा रासायनिक उपयोग से मिट्टी की उर्वरता घटती है और उसमें मौजूद लाभकारी सूक्ष्म जीव नष्ट होते हैं, जिसका सीधा असर उत्पादन और खेती की लागत पर पड़ता है.

विभिन्न स्टॉलों का किया निरीक्षण

केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान तथा अन्य अतिथियों ने कार्यक्रम स्थल पर प्रदर्शनी में कृषि एवं उद्यानिकी सहित अन्य विभागों और प्रगतिशील किसानों द्वारा लगाए गए स्टॉल का भी निरीक्षण किया और जानकारी ली.केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान ने अनेक हितग्राहियों को किसान क्रेडिट कार्ड वितरित किए.साथ ही किसानों को उड़द और सोयाबीन बीज किट का भी वितरण किया गया. उन्होंने कम वजन वाले बच्चों को फूड बॉस्केट भी वितरित किए.

> चौहान ने कहा कि 'खेत बचाओ अभियान' केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि धरती माता को बचाने का राष्ट्रीय संकल्प है.इस अभियान के तहत कृषि वैज्ञानिक, कृषि विश्वविद्यालयों के विशेषज्ञ, कृषि विज्ञान केंद्रों के अधिकारी, कृषि विभाग की टीमें और जनप्रतिनिधि गांव-गांव जाकर किसानों को जागरूक करेंगे. उन्होंने कहा कि हर किसान का सॉयल हेल्थ कार्ड बनना जरूरी है. ताकि किसान अपनी जमीन की जरूरत समझकर खाद का उपयोग करे.इससे खेती की लागत कम होगी, उत्पादन बढ़ेगा और मिट्टी लंबे समय तक उपजाऊ बनी रहेगी. चौहान ने स्पष्ट कहा कि सरकार किसानों को रियायती दरों पर उर्वरक उपलब्ध करा रही है, लेकिन इसका मतलब जरूरत से ज्यादा उपयोग नहीं है.सही मात्रा में खाद का उपयोग ही टिकाऊ खेती की कुंजी है.

राज्यपाल पटेल को उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने जन्मदिवस की शुभकामनाएँ दीं

भोपाल, 01 जून. राज्यपाल मंगुभाई पटेल को उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने लोक भवन में सौजन्य भेंट कर उन्हें जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई दी. इस अवसर पर शुक्ल ने राज्यपाल श्री पटेल को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आत्मीय अभिवादन किया.

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने राज्यपाल पटेल के उत्तम स्वास्थ्य, सुखमय एवं दीर्घायु जीवन की कामना करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन और अनुभव का लाभ प्रदेश को निरंतर प्राप्त हो रहा है. उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि राज्यपाल श्री पटेल स्वस्थ एवं सक्रिय रहकर प्रदेश के विकास और जनकल्याण के कार्यों को अपनी प्रेरणा एवं मार्गदर्शन से नई दिशा प्रदान करते रहें.